RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 135, सोमवार, 10 जून, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्ड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंटरनेशनल किडनी रैकेट में शामिल दिल्ली के पीएसआरआई अस्पताल का सीईओ गिरफ्तार

कानपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस ने किडनी रैकेट में शामिल होने के आरोप में दिल्ली के पुष्पावती सिंहानिया रिसर्च इंस्टीट्यूट (पीएसआरआई) के सीईओ डॉ। दीपक शुक्ला को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को हिरासत में लेने के बाद पुलिस उसे जांच के सिलसिले में कानपुर लाई थी। शनिवार को पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान शुक्ला ने मानव अंगों की खरीदफरोख्त की बात कबूली। इस इंटरनेशनल किडनी रैकेट का खुलासा फरवरी में हुआ था। गिरोह के सरगना गौरव मिश्रा समेत अब तक 10 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एसपी (कानपुर) राजेश यादव ने बताया कि जांच के दौरान पीएसआरआई में अवैध तरीके से किडनी प्रत्यारोपण के सबूत मिले हैं। बिचौलियों की मदद से यहां गरीब लोग लाए जाते थे और फर्जी पैथोलॉजी रिपोर्ट तैयार कर कागज बनाए जाते थे। इसके एवज में रिसीवर से मोटी रकम वसूलने का खेल लंबे समय से जारी था। पुलिस को डॉ। केतन कौशिक की भी तलाश है। किडनी के कारोबार में कौशिक का नेटवर्क श्रीलंका, तुर्की तक फैला है। पूछताछ के दौरान सीईओ ने बताया कि रैकेट में टी राजकुमार और गौरव भी शामिल हैं, जो दिल्ली-एनसीआर में नामी अस्पतालों से जुड़े हैं। गिरोह के सदस्य जनवरी में कानपुर की एक महिला को काम दिलाने के बहाने गाजियाबाद ले गए थे। महिला को किडनी और लिवर बेचने के बदले पैसों का लालच दिया गया।

इसके बाद महिला किसी तरह कानपुर लौटी और फरवरी में उसने एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने लंबी जांच के दौरान 10 लोगों को गिरफ्तार किया था। अमीरों से किडनी बदलवाने के एवज में 30 लाख और लिवर के हिस्से के बदले 80 लाख रुपए लिए जाते थे, लेकिन किडनी देने वाले गरीबों को सिर्फ 7-8 लाख रुपए देते थे। इससे पहले कानपुर पुलिस गौरव मिश्रा (लखीमपुर खीरी), टी राजकुमार राव (कोलकाता), शैलेष सक्सेना (दिल्ली), सबूर अहमद और शमशाद अली (लखनऊ), विक्की सिंह (कानपुर), श्याम तिवारी और रामू पांडे को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

श्रीलंका पहुंचे नरेंद्र मोदी, आतंक समेत कई मुद्दों पर होगी बातचीत

कोलंबो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी विदेश नीति के तहत दूसरे दिन श्रीलंका के कोलंबो पहुंच गए। कोलंबो एयरपोर्ट उतरने के बाद राष्ट्रपति सचिवालय में उनका स्वागत हुआ। पीएम मोदी श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना के साथ बातचीत करेंगे। इसके बाद वह श्रीलंका के नेता प्रतिपक्ष महिंद्रा राजपक्षे और तमिल नेशनल अलायंस के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ वह आतंकवाद समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बात कर सकते हैं। इससे पहले मालदीव में पीएम मोदी ने पाकिस्तान पर परोक्ष हमला बोलते हुए राष्ट्र प्रायोजित आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया और इससे निपटने के लिए वैश्विक नेताओं से एकजुट होने की अपील की।

मालदीव की संसद 'मजलिस' को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध इतिहास से भी पुराने हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''आज आपके बीच मैं ज़ोर देकर कहना चाहता हूं कि मालदीव में लोकतन्त्र की मजबूती के लिए भारत और हर भारतीय आपके साथ था, है और रहेगा।'' उन्होंने कहा कि आतंकवाद न केवल किसी देश के लिए, बल्कि पूरी सभ्यता के लिए खतरा है। आतंकवाद को हमारे समय की बड़ी चुनौती बताते हुए मोदी ने सवाल किया, ''आतंकवादियों के न तो अपने बैंक होते हैं और ना ही हथियारों की फैक्टरी। फिर भी उन्हें धन और हथियारों की कभी कमी नहीं होती। कहाँ से पाते हैं वे यह सब? कौन देता है उन्हें ये सुविधाएं?'' उन्होंने कहा, ''राष्ट्र प्रायोजित आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। यह बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि लोग अभी भी अच्छे आतंकवादी और बुरे आतंकवादी का भेद करने की गलती कर रहे हैं।''

बंगाल में खूनी जंग जारी, 3 BJP और 1 TMC कार्यकर्ता की मौत

संदेशखाली। राजनीतिक वर्चस्व की आग में झुलसते बंगाल में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के नाजट इलाके में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प में चार लोगों के मारे जाने व तीन के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। खबरों को अनुसार हिंसक झड़प में मारे जाने लोगों में 3 भारतीय जनता पार्टी और 1 तृणमूल कांग्रेस का कार्यकर्ता बताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस ने इन मौतों के बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने बताया कि स्थिति पर नियंत्रण करने के लिए पुलिस बल भेजा गया है। सूत्रों के अनुसार दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच भगवा झंडे को हटाने के लिए झड़प हुई।

सीएम योगी ने किया किसान पाठशाला का शुभारंभ

नई दिल्ली।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में किसानों के लिए किसान पाठशाला का शुभारंभ किया। द मिलियन फार्मर्स नामक कार्यक्रम लोकभवन में आयोजित हुआ। कृषि कुंभ को लेकर कॉफी टेबल बुक का भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विमोचन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभी 75 जनपदों के 15 हजार से ज्यादा केंद्रों में कम लागत-अधिक उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस पाठशाला का आज शुभारंभ कर रहे हैं। 10 लाख से अधिक किसान हर पाठशाला में प्रशिक्षित हुए हैं। उन्होंने किसानों का प्रोत्साहन करते हुए कहा कि जीवन पलायन नहीं जूझने का नाम है। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न केंद्रों में उपस्थित सभी प्रगतिशील किसान भाई बहनों अन्नदाता किसानों का हृदय से स्वागत है। देश की आबादी के हिसाब से सबसे बड़े राज्य के प्रगतिशील किसानों की जागरूकता के लिए आज चौथे संस्करण का शुभारंभ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस देश का किसान अपनी मेहनत से खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता की ओर लेकर गया है। 5 दशक पहले देश को दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता था। खाद्यान्न भी ऐसा आता था जो उन देशों के पशुओं के लिए उपयोग में

लाया जाता था। यूपी के सभी 2 करोड़ 33 लाख किसानों का हृदय से अभिनन्दन करता हूं। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि पिछले 2 वर्षों की सरकार का परिणाम है कि यूपी ने रिकॉर्ड खाद्यान्न का प्राप्त किया है। ये वही प्रदेश है, जहां किसान आत्महत्या करता था। उस समय राजनीतिक उपेक्षा थी। किसानों के प्रति, शासन की अकर्मण्यता के कारण किसान लगातार घाटे में चल रहा था। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद कि योजनाओँ को भी यहां लागू नहीं किया गया। इसका खमियाजा हमारे किसानों को भुगतना पड़ा। 2017 में जब किसानों ने हमारे हाथों में बागडोर सौंपी तो किसान हमारे एजेंडे में था। 2 करोड़ 33 लाख किसानों के डाटा बैंक को तैयार करने और केंद्र की योजनाओं को लागू करने का कार्यक्रम तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो किसान कृषि से पलायन करने को मजबूर था वो आज रिकॉर्ड उत्पादन कर रहा है।

नीतीश नीति आयोग की बैठक में होंगे शामिल, कहा-केंद्र में शामिल होने का चैप्टर क्लोज

पटना।

मुख्यमंत्री व जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि 15 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली नीति आयोग की बैठक में वह शामिल होंगे और राज्यहित में जो भी बातें होंगी उसे रखेंगे। शनिवार को जदयू के सदस्यता अभियान की शुरुआत के मौके पर मीडिया से बातचीत में ममता बनर्जी के इस बैठक में शामिल नहीं होने के फैसले पर नीतीश कुमार ने कहा कि हर किसी का अपना विचार है। हम तो बैठक में जायेंगे। प्रशांत किशोर की ममता बनर्जी से मुलाकात पर सीएम ने कहा कि इसपर वही बेहतर बता सकते हैं। इससे पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। पिछले सितम्बर में जदयू ने उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का महती जिम्मा दिया, लेकिन उनके

मार्गदर्शन में इलेक्शन स्ट्रेटजी से जुड़ा एक संगठन भी काम करता है। मुलाकात में क्या बात हुई, वही खुद एक्सप्लेन करेंगे। एक अन्य सवाल पर नीतीश कुमार ने कहा कि जदयू के केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने का चैप्टर क्लोज हो चुका है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी केन्द्र की सरकार को हमारा पूर्ण समर्थन है। बिहार में हम मिलजुल कर काम कर रहे हैं। किसी प्रकार की कोई गलतफहमी नहीं है। उन्हें पूर्ण बहुमत है। चाहें तो बिना सहयोगी दलों के भी सरकार चला सकते हैं। इससे पूर्व नीतीश ने पार्टी की सदस्यता अभियान की शुरुआत की। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जद (यू) से जोड़ने की अपील की। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह और नीतीश कुमार ने अपने-अपने मतदान केंद्र के 25-25 मतदाताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। मोदी मंत्रिमंडल में जगह नहीं होने के फैसले पर पूछे जाने पर नीतीश ने एकबार फिर कहा कि भाजपा के पास पूर्ण बहुमत की सरकार है और सरकार में शामिल होना कोई जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, ÷हम पूरी मजबूती के साथ राजग के साथ हैं, लेकिन सांकेतिक प्रतिनिधित्व आज भी स्वीकार्य नहीं है। अगले साल विधानसभा चुनाव है, जद (यू) और भाजपा मिलकर काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। इसमें किसी को भ्रम में नहीं पड़ना चाहिए।

बरेली में सड़क पर नमाज पढ़ने को लेकर हंगामा, इमाम समेत 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR

बरेली।

बरेली के चौकी चौराहे पर स्थित मजार के सामने सड़क पर नमाज पढ़ने को लेकर शुक्रवार को हुए हंगामे के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को सैकड़ों लोगों ने कोतवाली में पहुंचकर हंगामा किया था और उसके बाद जबरन सड़क पर नमाज पढ़ी थी। अब पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मस्जिद के इमाम, उसके बेटों सहित 12 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। साथ ही और 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर के बाद लोगों में हड़कम्प मचा हुआ है। दरअसल, नेशनल हाईवे पर शहर कोतवाली में स्थित चौकी चौराहे पर एक

मजार है। वहां पर जुमे के दिन पूरी सड़क को घेरकर नमाज होती है। इससे चौराहे पर लंबा जाम लग जाता है। जिस वजह से एसपी सिटी अभिनदंन सिंह ने पूरी सड़क घेरकर नमाज पढ़ने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बावजूद पहले से अधिक संख्या में लोग वहां शुक्रवार को इकट्ठे हो गए और जबरन नमाज पढ़ने पर आमादा हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सड़क पर नमाज नहीं होने दी तो काफी संख्या में लोगों ने शहर कोतवाली का घेराव कर दिया था। थाने में मौजूद इंस्पेक्टर को खरी खोटी भी सुनाई गई। इसके बाद इंस्पेक्टर पंकज वर्मा को धमकी देकर एक बार फिर से और अधिक संख्या में लोग नमाज पढ़ने पहुंच गए थे। मामला बिगड़ता देख आस पड़ोस के थानों की पुलिस के साथ एसपी सिटी, सीओ सिटी 1, सीओ सिटी 3 और सिटी मजिस्ट्रेट मौके पर पहुंचे थे। इसके बाद लोगों को एसपी सिटी ने सख्त लहजे में समझा दिया कि आज के बाद अगर पूरी सड़क घेरकर नमाज की गई तो कानूनी कार्यवाही की जाएगी। वहीं एसपी सिटी ने कहा था कि अफवाह फैलाने वाले और लोगों को भड़काने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। आईएमसी नेता डॉ नफीस ने मौके पर पहुंचकर आग में घी डालने का काम किया था और लोगों को कोतवाली से भड़काकर सड़क पर नमाज पढ़ाने के लिए ले गए थे। डॉ नफीस का कहना था कि यहां पर वर्षों से नमाज होती आ रही है। लेकिन भाजपा राज में पुलिस प्रशासन नमाज नहीं होने दे रहा है।

बैंकिंग, गैर-बैंकिंग क्षेत्र में संचालन सुधार पर ध्यान देगा रिजर्व बैंक: दास

पुणे। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने प्रभावी नियंत्रण की अनुपस्थिति को बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी के लिये जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में रिजर्व बैंक पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने के लिये बैंकिंग और गैर-बैंकिंग क्षेत्र में कॉरपोरेट संचालन में सुधारों पर ध्यान देगा। दास ने यहां एनआईबीएम में 15वें सालाना दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसा पाया गया है कि अधिकांश बैंक धोखाधड़ी के लिये प्रभावी नियंत्रण का नहीं होना जिम्मेदार है। आंतरिक नियंत्रण की एक प्रभावी प्रणाली के लिये मजबूत नियंत्रण व्यवस्था आवश्यक तत्व है। यह निदेशक मंडल और वरिष्ठ प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वे अपने कार्यों एवं कथनों से आंतरिक नियंत्रण के महत्व को रेखांकित करें। उन्होंने कहा कि बैंकों को नियमित तौर पर अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना चाहिये ताकि वे अपने संबंधित कार्यस्थलों पर आंतरिक नियंत्रण के महत्व को पूरी तरह समझ सकें। बैंकों के निदेशक मंडल को बैंक के भीतर प्रभावी नियंत्रण की संस्कृति विकसित करने के लिये विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। दास ने कहा कि आने वाले महीनों में उनका पहला और सबसे महत्वपूर्ण काम बैंकिंग एवं गैर-बैंकिंग क्षेत्र में संचालन सुधारों को आगे बढ़ाना होगा।

IAF चीफ धनोआ ने किया जोरहाट का दौरा, 6 दिन बाद भी वायु सेना के लापता का कोई सुराग नहीं

ईटानगर।

भारतीय वायु सेना के लापता एएन-32 विमान की खोज में लगी विभिन्न एजेंसियों के ठोस प्रयासों के बावजूद अब तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। खराब मौसम के बीच शनिवार को छठे दिन भी खोज अभियान लगातार जारी रहा। विमान में 13 लोग सवार थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ ने शनिवार को जोरहाट का दौरा किया। वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि धनोआ को अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और स्थिति से अवगत कराया गया। इसके बाद उन्होंने उन अधिकारियों और वायु सेना के कर्मियों के परिजनों से मुलाकात की, जो भारतीय वायुसेना के विमान में सवार थे। रूस निर्मित विमान ने अरुणाचल प्रदेश के शि-योमि जिले के मेचुका एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के लिए सोमवार रात 12 बजकर 27 मिनट पर असम के जोरहाट से उड़ान भरी थी। जमीनी नियंत्रण कक्ष के साथ विमान का संपर्क दोपहर एक बजे टूट गया। विमान में चालक दल के

आठ सदस्य और पांच यात्री सवार थे। वायु सेना के प्रवक्ता विंग कमांडर रत्नाकर सिंह ने बताया कि खोज टीम इसरो के उपग्रहों सहित विभिन्न एजेंसियों के उन्नत तकनीक और सेंसर के साथ विमान का पता लगाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, दुर्गम इलाके और घने जंगल से मिशन प्रभावित हो रहा है। दिन भर खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण हवाई अभियानों को गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के बावजूद वायु सेना, थल सेना और स्थानीय प्रशासनों का संयुक्त खोज अभियान जारी रहा। स्थानीय और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ भारतीय सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीमें सियांग जिले के आसपास के इलाकों की तलाश कर रही हैं।

9 साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या, नाले में मिला शव; 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड

भोपाल। यहां के कमला नगर इलाके में रविवार को 9 साल की बच्ची का शव नाले में मिला। शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद बच्ची का गला दबाकर हत्या करने की बात सामने आई है। बच्ची शनिवार रात 8 बजे घर के करीब से लापता हुई थी। एक एएसआई, एक हवलदार और चार सिपाहियों को निलंबित किया गया है। सांसद प्रज्ञा ठाकुर पीड़ित परिवार को सांत्वना देने उनके घर पहुंचीं। प्रदेश के गृह मंत्री बाला बच्चन के मुताबिक- विष्णु नाम के एक संदिग्ध आरोपी की पहचान की गई है। वह पीड़ित परिवार के घर के पास ही रहता है। उसके परिवार के सदस्यों को हिरासत में लिया गया। पुलिस को आरोपी की

लोकेशन पता चली है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। बच्ची की खोज में पुलिस की 20 टीम लगाई गई थीं। लेकिन अफसोस है कि हम बच्ची को बचा नहीं पाए। घटना की सूचना मिलने पर जनसंपर्क मंत्री पीसी शर्मा भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि पुलिस अगर सही तरीके से काम करती तो बच्ची की जान बचाई जा सकती थी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मंडवा बस्ती के पास रहने वाली बच्ची रात करीब 8 बजे घर के पास दुकान पर सामान लेने गई थी। जब वह काफी देर तक नहीं लौटी तो परिजन ने तलाश शुरू की। काफी देर तक बच्ची के नहीं मिलने पर परिजन थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने केस दर्ज करने से मना कर दिया। इलाके के पार्षद को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने पुलिस को फोन कर बच्ची की तलाश तुरंत शुरू करने के लिए कहा। एएसपी अखिल पटेल ने बताया कि बच्ची के लापता होने की शिकायत के बाद भी त्वरित कार्रवाई न करने पर एक पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों से जांच करवाई जा रही है। परिजन और आसपास के लोगों से पूछताछ की जारी है।

पाकिस्तान में 13 साल की हिंदू लड़की के साथ हुआ बलात्कार

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 13 वर्षीय एक हिंदू किशोरी के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। किशोरी को शराब पीने को मजबूर करके दो लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। मीडिया खबरों से यह मामला प्रकाश में आया है। डॉन समाचार की खबर के मुताबिक यह वारदात सात जून को तांडो मोहम्मद खान जिले में उस समय हुई जब पीड़िता कुछ सामान खरीदने जा रही थी। तभी दो लोगों ने उसे अपने पास बुलाकर शराब पीने को मजबूर किया और उससे दुष्कर्म किया। अखबार ने पीड़िता के पिता को यह कहते हुए उद्धृत किया कि किशोरी के घर नहीं लौटने पर उसके पिता और भाई उसकी तलाश में गए। बाद में किशोरी अचेत अवस्था में एक चीनी मिल के निकट एक स्थानीय मैदान में मिली। पीड़ित के पिता ने बताया कि हमने उसे चीनी मिल के निकट एक मैदान में पाया। उसकी हालत खराब थी। हम उसे एक अस्पताल में ले गए और इसकी सूचना पुलिस को दी। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मकबूल मल्लाह को यह कहते हुए उद्धृत किया कि हिंदू लड़की की चिकित्सा जांच में दुष्कर्म का पता चला है और और अंतिम रिपोर्ट के लिए सबूत को प्रयोगशाला में भेजा जा रहा है।''

राहुल हैं कि मानते नहीं, बार-बार कर रहे एक ही भूल

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद अगर सबसे ज्यादा कोई खामोश है तो वह है कांग्रेस नेतृत्व का राष्ट्रीय खेमा। चुप्पी और खामोशी का सबसे बड़े कारणों में से एक यह भी है कि अध्यक्ष पद छोड़ने के अपने फैसले पर राहुल गांधी अड़े हुए हैं। इसके अलावा परिवारवाद पर भी वह मुखर हो गए हैं और जिन वरिष्ठ नेताओं के पुत्र इस बार चुनावी मैदान में थे उन्हें भी राहुल की फटकार सुननी पड़ी है।

कांग्रेस भी फिलहाल सत्ता पक्ष के ताजा निर्णयों पर ध्यान लगाए हुए है। हालांकि पार्टी में पंजाब के भीतर आपसी भिड़ंत देखने को मिल रही है तो वहीं कई राज्यों के प्रमुखों ने भी राहुल के बाद चुनावी हार की जिम्मेदारी लेते हुए अपना-अपना इस्तीफा आलाकमान को सौंप दिया हैं। चुप्पी का आलम तो यह है कि पार्टी ने चैनलों पर अपने प्रवक्ताओं को भी भेजना बंद कर दिया है। कांग्रेस को कवर करने वालें पत्रकार यह भी बताते हैं कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में राहुल को मनाने के अलावा जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया वह यह है कि पार्टी सरकार के खिलाफ कुछ दिनों तक शांत रहेगी और खासकर प्रधानमंत्री पर सीधा हमला करने से बचेगी। हो भी यही रहा था। पर कुछ दिनों तक खामोश रहने के बाद राहुल गांधी ने खुद इस निर्णय का उल्लंघन कर दिया। शुक्रवार को राहुल केरल दौरें पर थे और वह मोदी पर हमला तो ऐसे कर रहे थे जैसे कि वह किसी चुनावी सभा को संबोधित कर रहे हो। चलिए सबसे पहले आपको यह बताते है कि उन्होंने कहा क्या है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने वायनाड लोकसभा क्षेत्र में एक रोड शो के दौरान कहा कि भाजपा द्वारा फैलाई गई नफरत और असहिष्णुता का जवाब प्यार और स्नेह से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी के पास बहुत धन हो सकता है। मीडिया उनके साथ हो सकता है और यह भी संभव है कि उनके अमीर दोस्त उनके साथ हों। राहुल अपने भाषण में भाजपा के लिए प्यार और स्नेह की बात करते हुए यह भी कह रहे थे कि कांग्रेस पार्टी मजबूत विपक्ष बनकर उभरेगी और गरीबों की आवाज उठाएगी। वायनाड लोकसभा सीट पर बड़े अंतर से हुई अपनी जीत के बाद क्षेत्र के मतदाताओं का शुक्रिया अदा करने के लिए किए गए राहुल ने अपने काफिले को वहां की संकरी गलियों से गुजारते हुए सड़क के दोनों ओर उमड़ी भीड़ का अभिवादन भी कर रहे थे। वायनाड लोकसभा सीट से करीब 4।31 लाख वोटों से राहुल ने जीत हासिल की है। यह आपको बताने की जरूरत नहीं कि राहुल ने गांधी परिवार का गढ़ माने जाने वाली अमेठी लोकसभा सीट से भी चुनाव लड़ा था, लेकिन केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के हाथों उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

क्रांति समय

संपादकीय

शिक्षा के ढांचे में व्यापक बदलाव

लंबे इंतजार के बाद नई शिक्षा नीति का मसौदा सामने आ गया, लेकिन यह अच्छा नहीं हुआ कि ऐसा होते ही हिंदी को लेकर एक अनावश्यक विवाद छिड़ गया। अब जब यह विवाद शांत हो गया है तब फिर जरूरी यह है कि नई शिक्षा नीति को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने की दिशा में कदम उठाए जाएं। हालांकि सरकार की ओर से ऐसे संकेत दिए गए हैं कि वह नई शिक्षा नीति की ज्यादातर सिफारिशों को अगले दो साल में लागू करने का इरादा रखती है, लेकिन उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसा वास्तव में हो। नई शिक्षा नीति को लागू करने में तेजी दिखाने की आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि एक तो इस नीति का मसौदा देर से आ सका और दूसरे, शिक्षा का मौजूदा ढांचा व्यापक बदलाव की मांग करता है। शायद ही कोई इससे असहमत हो कि प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक का हमारा ढांचा आज की जरूरतों के अनुरूप नहीं है। चूंकि समस्याएं प्राथमिक शिक्षा के स्तर से ही शुरू हो जाती हैं इसलिए उनका दुष्प्रभाव माध्यमिक शिक्षा से लेकर उच्च स्तर तक नजर आता है। जहां प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर पाठ्यक्रम के साथ ही पठन-पाठन के तौर-तरीकों को दुरुस्त करने की सख्त जरूरत है वहीं माध्यमिक शिक्षा के स्तर पर अंकों की होड़ को दूर करने की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति तभी हो सकती है जब नई शिक्षा नीति की सिफारिशों पर न केवल विभिन्न राजनीतिक दलों और शिक्षाविदों, बल्कि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच भी आम सहमति कायम हो सके। यह तभी संभव होगा जब नई शिक्षा नीति के मसौदे पर राजनीतिक संकीर्णता से मुक्त होकर विचार किया जाएगा। किसी के लिए भी समझना कठिन है कि माध्यमिक शिक्षा के केंद्रीय और राज्यों के बोर्ड इस पर सहमत क्यों नहीं हो सकते कि परीक्षाओं में अंकों की होड़ खत्म हो? निःसंदेह परीक्षाओं में अंकों का कुछ न कुछ महत्व तो रहेगा ही, लेकिन इसका औचित्य नहीं कि छात्रों के व्यक्तित्व का मूल्यांकन केवल उन्हीं के आधार पर किया जाए। यह वक्त की मांग है कि विभिन्न शिक्षा बोर्ड एकमत होकर कार्य करें। परीक्षाओं में अंकों की होड़ समाप्त करने के साथ ही एक बड़ी जरूरत यह भी है कि प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के स्तर पर समान पाठ्यक्रम लागू किया जाए। अलग-अलग तरह के पाठ्यक्रम असमानता की खाई को चौड़ा करने का ही काम कर रहे हैं। आखिर माध्यमिक शिक्षा का ढांचा ऐसा क्यों नहीं हो सकता जिससे इस स्तर की शिक्षा पूरी करने वाले छात्र करीब-करीब एक समान धरातल पर नजर आएं? माध्यमिक शिक्षा के मुकाबले उच्च शिक्षा कहीं अधिक गंभीर सवालों का सामना कर रही है। उच्च शिक्षा के अधिकांश संस्थान डिग्रियां बांटने के केंद्र बनकर रह गए हैं। इन संस्थानों से निकलने वाले अधिकांश युवा उद्योग-व्यापार जगत की अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। बेहतर हो कि उच्च शिक्षा का स्तर इस तरह सुधारा जाए जिससे हमारे युवा किसी न किसी हुनर से लैस हों। उच्च शिक्षा को उपयोगी बनाने के लिए अब यह आवश्यक हो गया है कि उसे कौशल विकास से जोड़ा जाए।

ट्वीट

बहार

''जल की दुनिया में भी बहार आती है
मछली की आंखों की पुतली भी हरी हुई जाती है-
वीरेन डंगवालसत्यानंद निरूपम, लेखक

हिंदी पर हाय-हाय छोड़िए

शशि शेखर

मेरी यादों में सितंबर 2012 की वह दोपहर जैसे नवश हो गई है। दक्षिण अफ्रीका की व्यावसायिक राजधानी जोहानेसबर्ग में धरती के विभिन्न कोनों से आए हिंदीप्रेमी नौवें विश्व हिंदी सम्मेलन के मौके पर इकट्ठा थे। इस सम्मेलन के मीडिया सत्र की अध्यक्षता करने का मौका मुझे मिला था। मुख्य अतिथि थे मणिशंकर अय्यर। उस दोपहरी अय्यर ने अपने भाषण में कहा था कि इससे अच्छा कोई दिन नहीं हो सकता, जब बिहार से तमिलनाडु के किसी गांव में गए शख्स से वहां के लोग हिंदी में पूछें, 'भाई कैसे हो?' इसी तरह, यदि कोई तमिलभाषी बिहार के किसी गांव में पहुंच जाए, तो उससे पूछा जाए, 'नींग एप्डी इरिकेल?' अय्यर के ये विचार सुनते समय मुझे लगा था कि इस शख्स के बारे में भले ही कोई कुछ भी कहे, पर इस समय यह बिल्कुल सही बोल रहा है। जैसा कि नाम से जाहिर है, मणिशंकर अय्यर तमिल मूल के हैं। उनका जन्म लाहौर में हुआ, वह तमिल और हिंदी के साथ बेहतरीन पंजाबी तथा उर्दू भी जानते हैं। काश! अन्य हिन्दुस्तानी भी अपनी मातृभाषा के अलावा एकाधिक भारतीय भाषा की समझ रख पाते! उस समय उठी यह पुलक भरी कसक बिसरा गई होती, अगर कुछ विघ्न संतोषियों से पाला न पड़ा होता। सत्र की समाप्ति के बाद भीड़ से अचानक कुछ नौजवान उपजे और उन्होंने मुझसे पूछा कि मणिशंकर अय्यर कहां है? मुझे उनकी तैश-भरी वाणी अमर्यादित लगी। मैंने पूछा, क्या हुआ? उनमें से एक ने कहा कि यह भला कौन-सी बात हुई कि वह हिंदीभाषियों से तमिल बोलने की उम्मीद कर रहा है? मैंने फिर पूछा कि यदि तमिलभाषी हिंदी बोलें तो? उनका जवाब था, 'वह तो बोलनी ही चाहिए।' देश के हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह हिंदी को जाने। यह हठपूर्ण रवैया हमारी हिंदी के लिए अच्छा नहीं है। भाषाएं और बोलियां उन रिश्तेदारों की तरह होती हैं, जिन्हें अपनाया जाता है। उन्हें थोपना अच्छा नहीं होता। हमारे हिन्दुस्तान ने तो आजादी से पहले ही इसका स्वाद चख लिया था। 1937 में, जब मद्रास प्रेसीडेंसी में कांग्रेस की सरकार गठित हुई, तो सी राजगोपालाचारी ने स्कूलों में हिंदी की शिक्षा अनिवार्य कर दी। पेरियार और तमाम तमिलवादी नेताओं ने उसका मुखर विरोध किया। आंदोलन उग्र हो चला। पुलिस को कई जगह बल प्रयोग करना पड़ा। एकाधिक व्यक्ति को जान भी गंवानी पड़ी। तब से अब तक इस प्रदेश में तमिल पार्टियां हिंदी का विरोध करती आई हैं। हमारी संसद तक इस हंगामे से अछूती नहीं रही। लंबे बहस-मुबाहिसे के बाद 1968 में 'ऑफिशियल लैंग्वेज रिजॉल्यूशन' पारित किया गया। इसके तहत हिंदीभाषी राज्यों में हिंदी के साथ कोई अन्य भारतीय भाषा पढ़ाई जानी थी और अहिंदीभाषी राज्यों में स्थानीय भाषा और अंग्रेजी के साथ हिंदी का पठन-पाठन होना था। यह त्रिभाषा फॉर्मूला पूरे देश ने अपनाया, पर तमिलनाडु अपनी जिद पर अड़ा रहा। यकीनन, भारतीयों को भारत के और अधिक नजदीक लाने के लिए यह कारगर

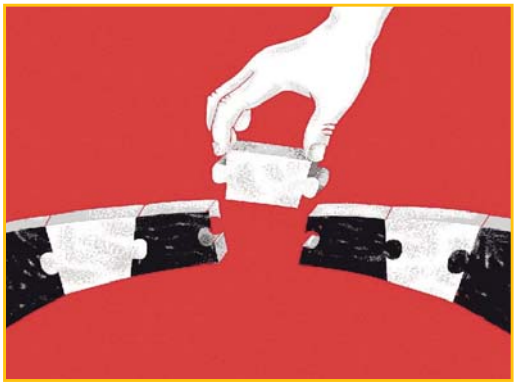

फॉर्मूला था। 1971 में छठी कक्षा में दाखिले के वक्त मुझे भी तीन विकल्प दिए गए थे। तेलुगु, कन्नड़ या बांग्ला? उन दिनों हम इलाहाबाद के टैगोर टाउन में रहते थे, जहां बंगालियों की बहुतायत थी। मैंने बांग्ला चुनी और अगले तीन साल उसकी शुरुआती बारीकियों को समझने का अवसर हासिल किया। बरसों बाद आज ये पंक्तियां लिखते वक्त सुकून से कह सकता हूं कि इसने मुझे न केवल महान बांग्ला भाषा से परिचित कराया, बल्कि वहां के अमर साहित्य को पढ़ने की रुचि जागृत की। इस साहित्य ने किशोरावस्था में मुझे नई दृष्टि दी। मेरे जैसे हजारों किशोर थे, जो इन भाषाओं के जरिए भारत को समझ-बूझ रहे थे। अब आते हैं मौजूदा समय पर। प्रतिरोध बढ़ता देखकर केंद्र सरकार ने सफाई दे दी कि हम हिंदी को किसी पर भी थोपना नहीं चाहते। सियासत भाषाओं के मामले में हमेशा एक कदम आगे और दो कदम पीछे की नीति अपनाती रही है। इसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ा है। हमारी पीढ़ी के हिंदीभाषी जब आखें खोल रहे थे, तभी लोहिया ने 'अंग्रेजी हटाओ' आंदोलन की शुरुआत की थी। तमाम लोग भावनावश अंग्रेजी का बहिष्कार कर बैठे। सुनने में अच्छा लगता था कि सोवियत संघ, चीन, फ्रांस अथवा जर्मनी ने अगर बिना अंग्रेजी के इतनी तरक्की कर ली, तो हिन्दुस्तान हिंदी के साथ आगे क्यों नहीं बढ़ सकता, पर इसका नुकसान हुआ। अल्प अंग्रेजी ज्ञान की वजह से हिंदीभाषियों को रोटी-रोजगार के कई मोर्चों पर आगे चलकर जटिलताओं का सामना करना पड़ा। ठीक वैसे ही, जैसे तमिलभाषी जब दिल्ली अथवा देश के उत्तरी या पश्चिमी हिस्सों में जाते, तो उन्हें कर्नाटक अथवा अविभाजित आंध्र के मुकाबले अधिक दिक्कत पेश आती। हम अपनी भाषा पर गर्व करें, उसे प्यार करें, यह बहुत अच्छा है, पर अगर हम अन्य भाषाओं के लिए दरवाजे बंद कर देंगे, तो ज्ञान की उम्मीदों की रोशनी भी बंद हो जाएगी। 2011 की जनगणना के आंकड़े इस मामले में आंखें खोलने वाले हैं। जारी दशक की शुरुआत में देश में हिंदी बोलने वालों की तादाद 52 करोड़ को पार कर गई थी। 2001 से 2011 के बीच इसमें करीब दस करोड़ का इजाफा हुआ था। अब अगली जनगणना 2021 में होगी, पर यह तय है कि बढ़ोतरी की रफ्तार जारी रहेगी। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि लोगों ने रोजगार के सिलसिले में अपने पुराने आग्रहों को तोड़कर नए बनते-उभरते महानगरों की ओर रुख किया है। जनगणना के पिछले आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी क्षेत्रों में हिंदी, उड़िया और असमिया भाषा बोलने वालों की संख्या 33 फीसदी तक बढ़ी है। जाहिर है, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, जैसे शहरों के वाणिज्यिक उभार के बाद देश के पूर्वी और उत्तरी लोगों की आमद में इजाफा हुआ है। भाषाओं के मामले में होने वाले अकादमिक बहस-मुबाहिसे में एक सत्य अक्सर जान-बूझकर बिसरा दिया जाता है, वह हैं बॉलीवुड की फिल्में। मुंबई में बनने वाली हिंदी फिल्मों ने अपनी कला और आकर्षण से पूरे देश में हिंदी के प्रसार में जबरदस्त भूमिका अदा की। एक समय था, जब हम रजनीकांत, मोहन लाल, रेखा, हेमा मालिनी अथवा श्रीदेवी जैसे अभिनेता-अभिनेत्रियों को इन फिल्मों के जरिए जान सके। अब वक्त के बदलाव के साथ दक्षिण का सिनेमा भी हमारे बीच लोकप्रिय हो रहा है। बाहुबली हिंदी में भी डब हुई थी और उसने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। स्पष्ट है कि भाषाओं का काफिला अपने तरीके से बढ़ता आया है और ऐसे ही बढ़ता जाएगा। हम भारतीयों को कम से कम इस मामले में अपने नेताओं की कोई जरूरत नहीं है।

ज्ञान गंगा

परमात्मा

ओशो/ निश्चित ही मैं नृत्य की बात करता हूं, क्योंकि मेरे लिए नृत्य ही पूजा है। नृत्य ही ध्यान है। नृत्य से ज्यादा सुगम कोई उपाय नहीं, सहज कोई समाधि नहीं। नृत्य सुगमतम है, सरलतम है। क्योंकि जितनी आसानी से तुम अपने अहंकार को नृत्य में विगलित कर पाते हो उतना किसी और चीज में कभी नहीं कर पाते। नाच सको अगर दिल भरकर तो मिट जाओगे। नाचने में मिट जाओगे। नाच विस्मरण का अद्भुत मार्ग है, अद्भुत कीमिया है। और नाच की और भी खूबी है कि जैसे-जैसे तुम नाचोगे, तुम्हारी जीवन-ऊर्जा प्रवाहित होगी। तुम जड़ हो गए हो। तुम सरिता होने को पैदा हुए थे, गंदे सरोवर हो गए हो। तुम बहने को पैदा हुए थे, तुम बंद हो गए हो। तुम्हारी जीवन-ऊर्जा फिर बहनी चाहिए, फिर झरनी चाहिए। फिर उठनी चाहिए तरंगें। क्योंकि सरिता तो एक दिन सागर पहुंच जाती है, सरोवर नहीं पहुंच पाता। सरोवर अपने में बंद पड़ा रह जाता। इसलिए तुमसे कहता हूं, नाचो। नाचने का अर्थ, तुम्हारी ऊर्जा बहे। तुम जमे-जमे मत खड़े रहो, पिघलो। तरंगायित होओ। गत्यात्मक होओ। दूसरी बात- नाच में अचानक ही तुम प्रसन्न हो जाते हो। उदास आदमी भी नाचना शुरू करे, थोड़ी देर में पाएगा, उदासी से हाथ छूट गया। क्योंकि उदास होना और नाचना साथ-साथ चलते नहीं। रोता आदमी भी नाचना शुरू करे, थोड़ी देर में पाएगा, आंसू धीरे-धीरे मुस्कुराहटों में बदल गए। थका-मांदा आदमी भी नाचना शुरू करे, शीघ्र ही पाएगा कि कोई नई ऊर्जा का प्रवाह भीतर शुरू हो गया। नृत्य दुख जानता ही नहीं। नृत्य आनंद ही जानता है। इसीलिए तो हिन्दुओं ने परमेश्वर के परम रूप को नटराज कहा है, कृष्ण को नाच की मुद्रा में, ओंठ पर बांसुरी रखे, मोर-मुकुट बांधे चित्रित किया है। यह ऐसे ही नहीं, अकारण ही नहीं। यह सारा जीवन नाच रहा है। जरा वृक्षों को देखो, पक्षियों को देखो। सुनते हो यह पक्षियों का कलरव? फूलों को देखो, चांद-तारों को देखो। विराट नृत्य चल रहा है। रास चल रहा है। यह अखंड रास! तुम इसमें भागीदार हो जाओ। तुम सिकुड़कर न बैठो। तुम कंजूस न बनो। पूछ है तुम्हें, ''नृत्य कब घटित होता है?' नृत्य तब घटित होता है जब नर्तक मिट जाता है। नृत्य तब घटित होता है जब नाच तो होता है, तुम नहीं होते। न्यूटन ने एक बात देखी। हमने और भी एक बात देखी, जो न्यूटन ने नहीं देखी। और खयाल रखना, वही दिखाई पड़ता है जो हम

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सांत्वना मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सांत्वना मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मुझे फख्र है कि मैंने हार नहीं मानी

रवि वी कल्पना, क्रिकेटर

राजे-रजवाड़ों के मनोरंजन से निकलकर एक संभावनाशील करियर विकल्प के तौर पर उभरे क्रिकेट ने देश-दुनिया के कई गुदड़ी के लालों-लाड़लियों के सपनों को नई उड़ान दी है। इनमें एक रवि वेंकटेश्वरलु कल्पना भी हैं। आंध्र के गुंटूर में रवि वी कल्पना पांच मई, 1996 को पैदा हुईं। ऑटो रिक्शा ड्राइवर पिता की कमाई पर पूरा परिवार आश्रित था। पिता खूब मेहनत करते, पर माली हालत कभी खुशगवार नहीं रही। उनके पास अपना घर तक नहीं था। कल्पना दो बहन हैं। हरेक मां-बाप की तरह कल्पना के पिता ने भी अपनी बेटियों के बेहतर भविष्य के लिए उनका दाखिला स्कूल में कराया। कल्पना पढ़ाई में अच्छी थीं। इस हवाले से उन्होंने कभी अपने घरवालों को निराश नहीं किया। कल्पना को बचपन में कबड्डी खेलना काफी पसंद था और वह खूब कबड्डी खेलती थीं। जब वह नौवीं कक्षा में थीं, तब दोस्तों ने क्रिकेट से उनका परिचय कराया। गली में लड़कों को क्रिकेट खेलते देखतीं, तो उनका भी मन बल्लेबाजी करने को मचल उठता। मगर जब कभी वह बल्ला उठातीं, उन्हें झिड़क दिया जाता- 'लड़कियां क्रिकेट नहीं खेलतीं, यह लड़कों का खेल है।' कल्पना के मन में इस खेल के प्रति अनुराग पैदा हो चुका था। वह गलियों और स्कूल में दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने लगीं। लेकिन उसमें करियर देखना उनके लिए एक बड़ी बात थी। एक तो तब महिला क्रिकेट की देश में कोई खास लोकप्रियता नहीं थी और फिर कल्पना के परिवार को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए ही भीषण संघर्ष करना पड़ रहा था। माता-पिता ने बेटी के क्रिकेट खेलने के बारे में सुना, तो उनकी प्रतिक्रिया काफी ठंडी रही। उन्होंने कल्पना से पढ़ाई पर ध्यान देने को कहा। मगर बेटी ने तो इरादे बांध लिए थे। वह पढ़ाई और खेल, दोनों मोर्चों पर डटी रहीं। कल्पना के क्रिकेट को एक अहम दिशा तब मिली, जब गुंटूर के जेकेसी कॉलेज मैदान में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में उन्होंने हिस्सा लिया। आंध्र प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने यह शिविर खास तौर से लड़कियों के लिए लगाया था। कल्पना जब तक स्कूलों में खेलती रहीं, किसी ने खास ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब वह क्रिकेट एकेडेमी जाने लगीं, तो उन पर तंज कसे जाने लगे। नाते-रिश्तेदारों की टिप्पणियों ने कल्पना के माता-पिता को काफी आहत किया। कल्पना कहती हैं, 'माता-पिता मेरे क्रिकेट खेलने को लेकर बहुत उत्साहित नहीं थे, और इस वजह से मुझे कुछ महीनों के लिए खेल छोड़ना भी पड़ा, जबकि मेरा प्रदर्शन काफी अच्छा था और मेरे कोच काफी खुश थे।' कल्पना के हिस्से में परीक्षाएं अभी बाकी थीं। जैसे ही वह अठारह की हुईं, घरवाले और नाते-रिश्तेदारों ने उन पर शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया। पिता की बेबसी यह थी कि आर्थिक तंगी की वजह से वह बेटियों को बहुत सुविधाएं नहीं दे पा रहे थे, इसलिए उन्हें लगता था कि शायद शादी के बाद कल्पना को कुछ सहूलियतें नसीब हो जाएं। लेकिन कल्पना जानती थीं कि जब अभी ही उन्हें क्रिकेट खेलने में इतनी दुश्वारियां पेश आ रही हैं, तो शादी के बाद उनके लिए क्रिकेट खेलना नामुमकिन हो जाएगा। उन्होंने अपनी दास्तान अपने कोच श्रीनिवास रेड्डी को सुनाई। कोच कल्पना की खेल प्रतिभा से अच्छी तरह वाकिफ थे। वह उनके माता-पिता के पास पहुंचे और उन्हें समझाया कि आपकी बेटी काफी

आगे जाएगी। उन्होंने उन्हें यह भी यकीन दिलाया कि कल्पना क्रिकेट के साथ पढ़ाई को भी भरपूर तवज्जो देगी। कल्पना कहती हैं, 'मेरे रिश्तेदारों ने मेरे क्रिकेट खेलने का काफी विरोध किया, मगर मैं बिल्कुल डटी रही। आज मैं जहां हूं, उसी दृढ़ता की बदौलत हूं। मुझे फख्र है कि मैंने हार नहीं मानी।' कल्पना के पिता का रुख कुछ नरम तो हुआ, मगर वह एक शर्त पर राजी हुए कि अगर उनकी बेटी स्टेट टीम में खेलने लायक होगी, तभी वह उसे आगे क्रिकेट खेलने की इजाजत देंगे। वह इस योग्य निकलीं। स्टेट टीम की खिलाड़ी के तौर पर कल्पना को आंध्र प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से 4,000 रुपये का अनुदान मिलने लगा। इसी पैसे से वह अपनी क्रिकेट किट खरीद पाई। कल्पना कहती हैं- 'ये बड़े डरावने दिन थे मेरी जिंदगी के।... मेरी अब तक की सबसे यादगार जीत अपने परिवार को मेरी शादी रोकने के लिए मनाना है।' साल 2015 कल्पना के जीवन में वह यादगार लम्हा लेकर आया, जिसको जीना हरेक क्रिकेटर का सपना होता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ नेशनल टीम में उन्हें शामिल किया गया। 28 जून, 2015 को भारतीय टीम की सदस्य के तौर कल्पना ने मैदान में कदम रखा। इस बड़ी कामयाबी के बाद उनके माता-पिता को कुछ-कुछ भरोसा हुआ कि बेटी ने शायद सही फैसला किया है। इसी की बदौलत कल्पना को भारतीय रेलवे में नौकरी भी मिली। करीब तीन सालों के अंतराल के बाद कल्पना ने बतौर बल्लेबाज-विकेटकीपर फिर से नेशनल टीम में वापसी की है। महेंद्र सिंह धोनी उनके आदर्श हैं। देश को कल्पना से काफी आशाएं हैं।

(प्रस्तुति- चंद्रकांत सिंह)

हरियाणा में हार से दिल्ली में बदलेगा इनेलो-जेजेपी का पता, हुड्डा को भी तलाशना होगा नया ठिकाना

लोकसभा चुनाव में हरियाणा में हार के बाद जेजेपी और इनेलो का दिल्ली में पता बदल जाएगा इसी तरह भूपेंद्र सिंह हुड्डा समर्थकों को की वहां नया ठिकाना तलाशना होगा

चंडीगढ़। लोकसभा चुनावों में हरियाणा में विपक्षी दलों की हार का असर दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालयों पर दिखने वाला है। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के पूर्व सांसद चरणजीत सिंह रोड़ी की हार के बाद जहां पार्टी को उनके सरकारी निवास में चल रहा दफ्तर शिफ्ट करना पड़ेगा। पूर्व सांसद दुष्यंत सिंह चौटाला को भी सरकारी बंगला छोडऩा पड़ रहा है। इनेलो से अलग होकर बनी जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) की समस्त गतिविधियां यहीं से संचालित हो रहीं थी। इसी तरह कांग्रेस के पूर्व सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा से सरकारी बंगला वापस लिए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के समर्थकों को रणनीति बनाने के लिए नया ठिकाना तलाशना पड़ेगा। दरअसल, लोकसभा चुनाव में जीते नवनिर्वाचित सांसद फिलहाल दिल्ली में अस्थायी ठिकानों में रह रहे हैं। जल्द ही इन्हें सरकारी बंगलों और फ्लैट में शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए सभी पूर्व सांसदों को 24 जून तक सरकारी आवास खाली करने का नोटिस थमाया गया है। मौजूदा समय में जेजेपी का पता 18-जनपथ, नई दिल्ली है। कभी तत्कालीन सांसद डॉ. अजय चौटाला के नाम पर आवंटित इस बंगले पर करीब दो दशक तक इनेलो का कब्जा रहा। वर्ष 2014 में दुष्यंत चौटाला के नाम हुए इस बंगले में विगत अक्टूबर तक इनेलो कार्यालय चलता रहा, लेकिन बाद में दुष्यंत ने जेजेपी का गठन करते हुए यहां नई पार्टी का मुख्यालय बना लिया। लोकसभा चुनाव में हार के बाद दुष्यंत को यह बंगला खाली करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उधर, जेजेपी के गठन के बाद से ही इनेलो का पता बदलकर सांसद चरणजीत सिंह रोड़ी का सरकारी निवास हो गया था। हालांकि पार्टी की अधिकतर गतिविधियां गुरुग्राम स्थित अभय चौटाला के निवास से संचालित होती हैं। अब रोड़ी के बंगला छोडऩे के बाद इनेलो को दिल्ली में नई जगह तलाशनी होगी। दूसरी ओर, दिल्ली में अकबर रोड पर कांग्रेस का मुख्यालय होने के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा समर्थक विधायकों और पदाधिकारियों ने नई दिल्ली में पंत मार्ग स्थित नौ नंबर बंगले को अघोषित कार्यालय बनाया हुआ था, जो कि दीपेंद्र हुड्डा को अलॉट हुआ था। तीन बार के सांसद दीपेंद्र हुड्डा को लोकसभा चुनाव में हार के बाद अब यह सरकारी निवास छोडऩा पड़ेगा। इनेलो को चंडीगढ़ में सेक्टर-4 के फ्लैट नंबर-47 में चल रहा मुख्यालय फिर शिफ्ट करना पड़ सकता है। इनेलो विधायक केहर सिंह रावत के नाम पर यह फ्लैट है जो अब भाजपा में शामिल होने के कारण विधायक पद से इस्तीफा दे चुके हैं। अगर किसी दूसरे विधायक के नाम पर यह फ्लैट आवंटित हुआ तो इनेलो को नए सिरे से पार्टी दफ्तर ढूंढऩा पड़ेगा। पिछले साल नवंबर में ही दुष्यंत चौटाला द्वारा नई पार्टी बनाने के बाद इनेलो को सेक्टर तीन स्थित एमएलए फ्लैट नंबर-17 छोडऩा पड़ा था, जो विधायक नैना चौटाला के नाम पर है। यहां अब जजपा की स्टूडेंट विंग का मुख्यालय चल रहा है।

बुजुर्ग मां को बेटी ने दिया धोखा, मकान और लाखों रुपये हड़पे

पंचकूला। सेक्टर-7 की एक विधवा बुजुर्ग महिला ने अपनी ही बेटी और दो नातियों पर धोखे से मकान और उसकी एफडी की रकम हड़पने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर बेटी और आरोपित के बेटों के खिलाफ केस दर्ज किया है। 86 वर्षीय कृष्णा भाटिया ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह लंबे समय से अस्वस्थ हैं। इस वजह से वह पैदल चलने में भी असमर्थ है। हालांकि उसकी तीन बेटियां हैं। नीना जुनेजा और रीता भाटिया उसके साथ रहती हैं। जबकि एक बेटी नीलू मिश्रा और उसके बेटे अभय और आदित्य मिश्रा पास के ही दूसरे मकान में रहते हैं। कृष्णा भाटिया के अनुसार नीलू नियमित रूप से उनके पास आती थी और उनका आपस में बहुत ज्यादा लगाव और अपनापन था। इस दौरान इस नीलू ने एफडी और लॉकर सहित उनके बैंक लेनदेन की देखभाल शुरू कर दी। कृष्णा के सभी बैंक खातों के बारे में नीलू को जानकारी थी। कृष्णा भाटिया के नाम पर लगभग 51 लाख रुपये से अधिक की एफडी थी। आरोप है कि धीरे-धीरे नीलू ने धोखे से इन एफडी को हथियाना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं नीलू ने अपना नाम उसकी जानकारी के बिना ही एफडी में ज्वाइंट होल्डर के तौर पर जोड़ लिया था। इन एफडी में नीलू अपने दोनों बेटों के नाम कई दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाती थी। उसने कृष्णा के खिलाफ इन सभी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया और धोखे से बैंकों में कृष्णा की एफडी नीलू ने सभी बैंकों के एफडी और पास बुक्स और चेक बुक अपने कब्जे में ले ली है। यह सब उसने जानबूझकर वापस नहीं लौटाई। कृष्णा अपने दैनिक रखरखाव के लिए बैंक से कोई भी भुगतान प्राप्त नहीं कर पा रही थी, क्योंकि आरोपित नीलू ने उसके सभी दस्तावेज हड़प लिए हैं। यहां तक कि उसका आधार कार्ड और पैन कार्ड ी उसके कब्जे में है। लॉकरों की चाबी भी उसने धोखा देकर ले ली। आरोप है कि नीलू ने खाली चेक लेकर उसके खातों से पैसा हस्तांतरित और भारी भुगतान किए। दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के नाम पर उसने घर का मालिका भी धोखे से हस्तांतरित करा लिया।

दो साल बाद शुरू हुई शहजादपुर मेन बाजार की पैमाइश से दुकानदारों में हड़कंप

नारायणगढ़। शहजादपुर के मेन बाजार में दो साल बाद शुरू हुई पैमाइश के बाद दुकानदारों में हड़कंप है। इसी को लेकर एडवोकेट एसकेएस बेदी द्वारा सन 2017 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें बताया गया था कि शहजादपुर के बाजार की सड़क के दोनों तरफ 8-8 फुट कब्जा किया गया है। अदालत के आदेश पर पीडब्ल्यूडी विभाग निशानदेही करवा रहा है। जैसे जैसे निशानदेही आगे बढ़ रही है वैसे-वैसे दुकानदारों के दिलों की धड़कनें भी बढ़ रही हैं। हाईकोर्ट के आदेश पर पीडब्ल्यूडी विभाग ने शहजादपुर के बाजार में नाजायज कब्जों की पैमाइश शुरू कर दी है। यह कारवाई अदालत के आदेशों की उल्लंघना करने पर लगाई गई लताड़ के बाद की जा रही है। दरअसल, एडवोट एसकेएस बेदी ने वर्ष 2017 में हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कब्जे हटवाने की मांग की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पीडब्ल्यूडी विभाग को निशानदेही करवाने के आदेश दिए थे। विभाग के अधिकारियों ने दुकानदारों के दबाव में आकर मामले को लटकाए रखा जिसके चलते अदालत ने इस मामले में कंटेम्ट लगाई है। अदालत ने सितंबर में विभाग को रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं। कब्जा हटाए जाने के बाद सड़क करीब 35 फुट चौड़ी हो जाएगी। रसूखदार दुकानकार कारवाई से बचने के लिए अपने-अपने राजनीतिक आकाओं की शरण में हैं। विभाग की रिपोर्ट के बाद अदालत ने अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए तो कई दुकानों की सिर्फ आखिरी दीवार रह जाएगी। बताया जाता है कि कागजों में सड़क की चौड़ाई 60, 48 और 50 फुट है। मौके पर मात्र 15 या 20 फुट सड़क ही बची है। दुकानदारों के अलावा अन्य ग्रामीण भी कहीं न कहीं इस कार्रवाई से प्रभावित होंगे। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग की देखरेख 1973 से पंचायत कर रही है।

सात फेरों पर जो वचन दिया, आयुष्मान भारत से पूरा हुआ

पानीपत। सात फेरे लेते समय पत्नी को खुश रखने का वचन दिया था। सुख-दु:ख में साथ रहने का वायदा भी किया। तीन साल पहले घर में काम करते समय पत्नी गिर गई। रीढ़ में दर्द रहने लगा। रीढ़ में मवाद पड़ गया। इलाज के लिए पैसे नहीं थे। दर्द से पत्नी चिल्लाती। उसका तड़पता देखकर पीड़ा होती थी। अब आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज चल रहा है। बिजेंद्र खुश है कि पत्नी को दिया हुआ वचन आयुष्मान भारत के जरिए पूरा हो रहा है। सनौली रोड स्थित आइबीएम हॉस्पिटल में भर्ती इसराना ब्लॉक के गांव बिजावा वासी सुमन के पति बिजेंद्र ने ये बातें कही। बिजेंद्र ने बताया कि वह प्राइवेट जॉब करता है। पांच साल का बेटा गुरप्रीत और तीन साल की बेटी साक्षी है। तीन साल पहले पत्नी की रीढ़ की हड्डी में चोट लगी थी। जितना हो सका, इलाज कराता रहा। इसके बाद वह गर्भवती हो गई। बेटी साक्षी को जन्म दिया। डिलीवरी के समय सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों ने उसकी रीढ़ में दो इंजेक्शन लगाए थे। डिलिवरी के बाद इंजेक्शन वाली जगह और अधिक दर्द रहने लगा। करीब छह माह पहले चेक कराया तो पता चला कि रीढ में मवाद हो गई है। इलाज तो संभव है लेकिन खर्च 60 हजार से अधिक आएगा। सिर ढंकने लायक छत थी, सुमन ने उसे बेचने नहीं दिया। खेती की जमीन नहीं थी, जो बेचकर इलाज करा सकूं। सभी रास्ते बंद देख कर्ज लेने की सोची, लेकिन मजदूर को इतनी बड़ी रकम मिलना मुश्किल हो गया। इसी दौरान आयुष्मान भारत योजना का पीएम लेटर घर पहुंच गया। इसके बाद गोल्डन कार्ड बनवाया। योजना के तहत इलाज चल रहा है। उम्मीद है कि पत्नी जल्द स्वस्थ हो जाएगी। अस्पताल के बिस्तर पर लेटी सुमन ने कहा कि बच्चे अभी छोटे हैं। रीढ़ की हड्डी में दर्द रहने से घर का कोई काम करना मुश्किल हो रहा था। मुहल्ले-पड़ोस के लोग डराते भी थे कि एक दिन उठना-बैठना भी और मुश्किल हो जाएगा। अपने दर्द से ज्यादा इ्क्षचता बच्चों की सताती थी कि कैसे परवरिश होगी। अब लगता है कि सबकुछ ठीक हो जाएगा। रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य, ये ऐसी जरूरतें हैं जो हर इंसान को चाहिए। केंद्र और प्रदेश सरकार इन पर काम भी कर रहीं हैं। आयुष्मान भारत तो जरूरतमंद तबके के लिए संजीवनी साबित हो रही है। सरकार इसमें मामूली संशोधन कर ओपीडी फीस खर्च को भी शामिल कर ले और बेहतर होगा।

चुनाव में कार्यकर्ताओं की मेहनत से मिली जीत : कटारिया

कालका। केंद्रीय जल शक्ति व सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रतन लाल कटारिया और विधायक लतिका शर्मा ने शनिवार को कालका और पिजौर में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने रोड शो कालका स्थित श्री काली माता मंदिर में माथा टेकने के बाद शुरू किया। इसमें भाजपा के पदाधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। कालका पहुंचने पर जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम कालका मनिता मलिक व श्रीमाता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसपी अरोड़ा ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। इस मौके पर कटारिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का नतीजा है। हरियाणा में पहली बार भाजपा ने अकेले चुनाव लड़कर 10 की 10 लोकसभा सीटों पर एतिहासिक जीत दर्ज की है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे अभी से ही विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुट जाएं। हरियाणा में अक्तूबर महीने में होने वाले चुनाव में 90 में से 80 सीटें जीतने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मेहनत करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा में विपक्ष का वजूद समाप्त हो चुका है। सभी विपक्षी दल अपने नेताओं को नीचा दिखाने में लगे हुए है। इस मौके पर कालका की विधायक लतिका शर्मा ने भी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कहा कि लोकसभा चुनाव 2019 में कालका विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के सांसद रतनलाल कटारिया को 48000 से अधिक मतों की लीड दिलवाकर कार्यकर्ता ने एक नया रिकार्ड कायम किया है। रोड शो में भाजपा के जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा, बंतो कटारिया, संजीव कौशल, सुनील धीमान, इंद्र कुमार, तरसेम गुप्ता, रामपाल सोढ़ी, हरीश मौगा, किशोरी शर्मा, सोनू, हरदेव, प्रेम, रधुवीर सौढ़ी, जसमेर सिंह बंजारा, राजेश भाटिया उपस्थित रहे।

संस्कृति व संस्कारों से जोड़ने वाली परीक्षाओं का आयोजन जरूरी : डॉ. रामेंद्र

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में चार दिवसीय संस्कृति बोध परियोजना अखिल भारतीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के सचिव अवनीश भटनागर एवं संस्थान के निदेशक डॉ. रामेंद्र सिंह ने कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यशाला में देशभर से संस्कृति बोध परियोजना के क्षेत्र एवं प्रांत संयोजकों के अतिरिक्त विशेष आमंत्रित लेखकों ने भी प्रतिभागिता की। कार्यशाला में मुख्य रूप से सत्र 2019-20 में आयोजित होने वाली संस्कृति ज्ञान परीक्षा का प्रश्न पत्र निर्माण किया गया। संस्थान के राष्ट्रीय मंत्री अवनीश भटनागर ने प्रश्न पत्र निर्माण एवं प्रश्न मंच में अलग-अलग टोलियां बनाकर कार्य करने पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। डॉ. रामेंद्र सिंह ने कहा कि बच्चों को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने वाली परीक्षाओं का आयोजन बहुत जरूरत है। संस्कृति बोध परियोजना में भी बच्चों को संस्कृत से जुड़े प्रश्नों के अलावा संस्कारों से भी जोड़ा जाता है। इस कार्यशाला में विद्या विकास समिति से रणजीत सिंह, सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा से अम्बिकादत्त कुंडल, सरस्वती शिक्षा परिषद् से राघवेंद्र शुक्ल, विद्या भारती कर्नाटक से नरसिंह मौजूद रहे।

कैप्टन पिता की यूनिट में लेफ्टिनेंट बने राहुल

हिसार। जिले के गांव राखी गढ़ी निवासी लेफ्टिनेंट राहुल को भारतीय सेना में कमीशन मिला है। शनिवार सुबह भारतीय सैन्य अकादमी की पासिग आउट परेड में अंतिम पग भरते ही 382 अन्य युवा जांबाजों के साथ राहुल लेफ्टिनेंट के रूप में भारतीय सेना का हिस्सा बन गए। खास बात यह है कि उन्हें उसी यूनिट (ग्रेनेडियर्स) में कमीशन मिला, जिससे उनके कैप्टन पिता कुछ समय पहले रिटायर हुए थे। बात 2015 की है। सेना में कैप्टन पिता की वर्दी और मन में देश सेवा का जज्बा राहुल के दिमागी समुंद्र में हिचकोले मार रहा था। मार्च 2015 में जैसे ही पिता कैप्टन बागबीर जाखड़ भारतीय सेना की ग्रेनेडियर्स यूनिट से रिटायर हुए, उसके दो महीने बाद जून 2015 में राहुल को सेना में टेक्नीकल एंट्री स्कीम यानी टीईएस में कमीशन गया। चार साल के कड़े प्रशिक्षण में तपकर कुंदन बने युवा वीर राहुल जाखड़ शनिवार को (ऑफिसर्स ट्रेनिग अकादमी) ओटीए पास कर सेना का अभिन्न अंग बन गए। राहुल को पिता की ग्रेनेडियर्स यूनिट में ही कमीशन मिला है। उनके पिता ने ग्रेनेडियर्स रेजीमेंट में 28 साल तक अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने वर्ष 1999 में कारगिल वार में भी अपना योगदान दिया। तब उनकी पोस्टिग जाफना के पलाली सेक्टर में थी। मूलरूप से जिले के गांव गढ़ी निवासी राहुल जाखड़ का परिवार शहर के सेक्टर 9-11 में रहता है। वे गांव के पहले ऑफिसर हैं। भारतीय सेना में कमीशन मिलने से गदगद राहुल ने दैनिक जागरण से हुई विशेष बातचीत में बताया कि पिता और भारतीय सेना की वीरता और गौरव गाथा ने उन्हें भारतीय सेना में आने के लिए प्रेरित किया। बचपन से सेना के अदम्य साहस के किस्से और कैप्टन पिता की वर्दी व अनुशासन उन्हें भारतीय सेना की और खींच रहा था। आर्मी पब्लिक स्कूल हिसार ने उसे अपनी मंजिल तक पहुंचाने में मदद की और उसके सपनों को पंख लगा दिए। वह गांव भारतीय सेना पहला अफसर है। आर्मी स्कूल से वर्ष 2012 में की थी 12वीं राहुल जाखड़ ने अपनी 12वीं तक की शिक्षा आर्मी पब्लिक स्कूल हिसार से पूरी की। वर्ष 2012 में उन्होंने 12वीं की और 88 फीसद अंक हासिल किए। जून 2015 में उन्हें भारतीय सेना में टेक्नीकल एंट्री स्कीम यानी टीईएस में कमीशन मिला। इसके बाद उनकी चार साल की ट्रेनिग हो रही थी।

कालांवाली सीएचसी में स्टाफ की कमी तो एंबुलेंस की भी सुविधा नहीं

कालांवाली। सरकार ने करीब दो वर्ष पूर्व कालांवाली पीएचसी का दर्जा बढ़ाकर सीएचसी तो बना दिया मगर यहां न तो चिकित्सकों की नियुक्ति हो पाई और न ही पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई। पूर्व में यहां एंबुलेंस की सुविधा थी मगर गाड़ी खस्ताहाल होने के कारण तीन माह पूर्व इसे भी सिरसा शिफ्ट कर दिया गया। अस्पताल में एंबुलेंस सुविधा न होने के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गरीब व जरूरतमंद मरीज प्राथमिक उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में ही पहुंचता है। यहां न चिकित्सक मिलता है और न ही इमरजेंसी में एंबुलेंस की सुविधा मिलती है। ऐसे में मरीजों को निजी गाड़ियों का सहारा लेना पड़ता है जो उन्हें महंगा पड़ता है। मरीजों का कहना है कि रोड़ी, गोरीवाला आदि स्वास्थ्य केंद्रों में एंबुलेंस सुविधा है। मरीजों को इमरजेंसी में एंबुलेंस सुविधा की जरूरत पड़ती है तो रोड़ी, ओढां आदि केंद्रों से एंबुलेंस पहुंचती है। ओढां के एसएमओ डा. भूषण गर्ग ने कहा कि विभागीय अधिकारियों को पत्र लिखा हुआ है। वहीं डिप्टी सीएमओ डॉ. वीरेश भूषण ने कहा कि गाड़ियों की कमी के कारण ही यह समस्या पेश आ रही है। कालांवाली क्षेत्र को कवर करने के लिए ओढां व रोड़ी अस्पताल की गाडियों को भेजा जा रहा है। सरकार द्वारा जब गाड़ियां उपलब्ध करवाई जाएंगी तभी समस्या का समाधान हो सकेगा।कालांवाली विधायक बलकौर सिंह ने कहा कि उन्होंने अस्पताल में चिकित्सकों की नियुक्ति व बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पहले भी आवाज उठाई थी और अब भी चिकित्सकों की नियुक्ति व एंबुलेंस सुविधा को लेकर सीएम से मिलेंगे। शीघ्र समस्या का समाधान करवाने का प्रयास करेंगे। बिना उद्घाटन के शुरू हुआ था भवन मंडी के प्राथमिक स्वास्थ केंद्र का नींव पत्थर प्रदेश के तत्कालीन मंत्री गोवर्धन दास चौहान ने 17 अगस्त 1981 को रखा था। अस्पताल निर्माण में निम्न स्तरीय सामग्री इस्तेमाल होने के कारण यह अस्पताल काफी चर्चा में रहा।

मेयर ने दुर्गा कॉलोनी में पहुंच विकास कार्यों की समीक्षा की

करनाल। फूसगढ़ के समीप दुर्गा कॉलोनी में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए शनिवार को मेयर रेणूबाला गुप्ता पहुंची। उन्होंने वार्ड नंबर चार का दौरा किया और वहां पर अधूरे पड़े विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली। पार्षद भूपेंद्र नौतना ने मेयर के साथ विकास कार्यों को सिरे चढ़ाने के लिए गहनता से बातचीत की। अधूरी पड़े कार्यों को सिरे चढ़ाने के लिए हल निकाला गया। कालोनी वासियों ने मेयर को विकास कार्यों को चालू करने का आग्रह किया। रेनू बाला गुप्ता ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर 15 दिन के अंदर कार्य शुरू करवाने के निर्देश जारी किए। कालोनी का विकास कार्य लगभग 32 करोड़ की लागत से पूरा होगा। कालोनी में गलियों, नालियों व हाईटेंशन तारों व हर प्रकार की समस्याओं का निपटारा किया जाएगा। ताकि यह क्षेत्र भी विकास में आगे बढ़ सके और लोगों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े। लोगों का कहना है कि पिछले पांच वर्षों में कोई भी विकास कार्य नहीं हुए, लेकिन वार्ड नंबर चार के पार्षद से लोगों को काफी उम्मीदे हैं।

पीजीआइ में इलाज कराने जा रहे हैं तो इन बदलावों के बारे में जान ले

हरियाणा के रोहतक पीजीआइ में मरीजों के इलाज में अब पहले से आसानी होगी

रोहतक। यदि आप या आपका परिजन इलाज कराने पीजीआइ जा रहे हैं तो यह खबर जरूर पढ़ लें। रोहतक पीजीआइ ने सुविधाओं और चिकित?सा के तरीके में अहम बदलाव किया है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को बहुत आसानी होगी। यहां अब मरीजों को अब एक्स-रे रिपोर्ट के लिए घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा। ई-उपचार सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक्स-रे रिपोर्ट डिजिटल फार्मेट में उनकी पर्ची पर बार कोड के रूप में होगी, जिसे स्कैन कर चिकित्सक रिपोर्ट देख सकेंगे। वहीं बार कोड स्कैनर की मदद से दवाओं के स्टॉक को भी अपडेट किया जा सकेगा।

बता दें कि एक्स-रे फिल्म पर पीजीआइ को साल में करीब 20 लाख रुपये खर्च करने पड़ते थे, लेकिन ई-उपचार सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पैसे की बचत होगी। पीजीआइ में सरकार द्वारा जारी किए गए ई-उपचार सॉफ्टवेयर के माध्यम से अब दवाओं के स्टॉक पर सीधी नजर रखी जा सकेगी। इसके अलावा ओपीडी स्लिप काटते समय उस पर एक बार कोड लगा दिया जाएगा। चिकित्सक के बार कोड स्कैन करते ही मरीज का ब्योरा सामने आ जाएगा। वहीं यदि मरीज को किसी भी प्रकार की जांच करानी है तो कोड स्कैन करने के बाद सैंपलिंग करते हुए उसकी रिपोर्ट मैन्युअल के बजाय बार कोड में ही डिजिटल रूप में अपलोड कर दी जाएगी। इससे मरीज को रिपोर्ट साथ रखने के झंझटों से मुक्ति मिलेगी। ई-उपचार सॉफ्टवेयर को ओपीडी के

कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन ओपीडी समाप्त होने के बाद रजिस्टरों में दवाओं के स्टॉक की एंट्री की जाती थी कई बार तो कर्मचारी स्टॉक अपडेट रखने में नाकाम हो जाते थे

अलावा अन्य विभागों में शुरू कर दिया गया है। हालांकि कंप्यूटर इंजीनियर ओपीडी में सुचारु सॉफ्टवेयर संचालन के लिए अपलोडिंग करने में लगे हुए हैं। अभी तक दवाओं का स्टॉक अपडेट रखने के लिए कई कर्मचारियों को जिम्मेदारी दी गई थी। कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन ओपीडी समाप्त होने के बाद रजिस्टरों में दवाओं के स्टॉक की एंट्री की जाती थी। कई बार तो कर्मचारी स्टॉक अपडेट रखने में नाकाम हो जाते थे। इस कारण दवाओं की कमी पड़ जाती थी। ई-उपचार सॉफ्टवेयर मरीज को दवा देते ही दवाओं के स्टॉक को अपडेट कर देगा। इससे दवाओं की कमी होने पर उसे समय पर पूरा किया जा सकेगा। ई-उपचार सॉफ्टवेयर के माध्यम से दवाओं का स्टॉक और मरीजों का ब्योरा अपडेट रखा जाएगा। ई-उपचार के कारण अब एक्स-रे फिल्म भी नहीं बनानी पड़ेगी और मरीजों को इसके लिए इंतजार भी नहीं करना पड़ेगा। इससे प्रतिवर्ष करीब 20 लाख रुपये बचने की संभावना है। हालांकि अभी ओपीडी में सॉफ्टवेयर शुरू नहीं हो सका है। सॉफ्टवेयर शुरू होने पर सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी।

सचिन के व्यापारी से जबरन पांच चेकों पर सही कराने के बाद जान से मारने की धमकी

सूरत। रविवार सूरत शहर के सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन में फरियादी दुर्गेश उर्फ सोनू रामचरित तिवारी उम्र 25 धन्धा व्यापार निवासी फ्लेट नं. बी/7/505 तिरुपति बालाजी अपार्टमेन्ट सचिन जी.आई.डी. सी. नाका सूरत की फरियाद पर आरोपी राजकिशोर सिंह के विरुद्ध आई.पी.सी. की कलम 365,385,348,323,504,506 (2) तथा 114 के तहत दर्ज कर जांच की कार्यवाही शुरु कर दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी राजकिशोर सिंह आदि ने फरियादी के पास से हाथ उधीना रुपिया 10,000 मांगने पर रुपये देने के बजाय राजकिशोर सिंह ने फरियादी के साथ झगड़ा कर धाक धमकी दी तथा उसके साथी मनोज, गजा और सूरत ने मिलकर एक दूसरे की मदद से गाली गलौच कर ढीक-मुक्की की मार मारकर जबरन मोटर सायकल पर बिठाकर अपहरण कर भेस्तान स्थित सालियावाला बांग के पास आकाश रेजीडेन्सटी में राजकिशोर सिंह की दुकान नं. सी.डी.5,6 में ले जाकर बेल्ट तथा लकड़ी के फटके से मारकर जबरन फरियादी के बैंक आफ बरोड़ा के पांच चेकों पर सही करायी और एक कोरे कागज पर फरियादी के पास से 240 साड़ियां तथा नकद रू. 50,000 बकाया का लिखित लेकर उसपर भी जबरन सही कराकर उपरोक्त सब की अनुसार फरियादी परिणीता ने अपने पति तेस नयन वाला 32 वर्ष 2. नयन प्रकाश मोरारजी वाला ससुराल तथा कमला नयन प्रकाश वाला सभी निवासी 201,202 एवंमें लेगसी दादाभाई क्रास रोड़ नं. 3 वीले पार्ले वेस्ट मुंबई के विरुद्ध फरियाद दर्ज करायी है।

परिणीता को त्रास देकर ससुराल वालों द्वारा दहेज की मांग पर अपराध दर्ज

सूरत। रविवार को सूरत शहर के उमरा पुलिस स्टेशन विस्तार फरियादी परिणीता ने ससुराल वालों के विरुद्ध उमरा पुलिस में आई.पी.सी की कलम 498(ए) 323,504, तथा दहेज की धारा कलम 3,5,7 के तहत दर्ज कराया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार फरियादी परिणीता ने अपने पति तेस नयन वाला 32 वर्ष 2. नयन प्रकाश मोरारजी वाला ससुराल तथा कमला नयन प्रकाश वाला सभी निवासी 201,202 एवंमें लेगसी दादाभाई क्रास रोड़ नं. 3 वीले पार्ले वेस्ट मुंबई के विरुद्ध फरियाद दर्ज करायी है।

पवर्त गाम एस.एम.सी. कम्युनिटी हाल के पीछे कोली फलिया के पास खुले प्लाट से चार जुआरी गिरफ्तार

सूरत। रविवार को लिम्बायत पुलिस स्टेशन विस्तार स्थित पवर्त गाम एस.एम.सी. कम्युनिटी हाल के पीछे कोली फलिया के पास के खुले प्लाट में जाहेर में मूलचन्द भाई मगन भाई सूरती उम्र 49 वर्ष निवासी मकान नं. 112,113 विनायक एपार्टमेन्ट के सामने पवर्त गाम लिम्बायत सूरत। 2. सर्वेश शेषनारायण मिस्त्रा 36 वर्ष निवासी मकान नं. बी-18 उमियानगर ,गोडादरा नहर पवर्त गाम लिम्बायत सूरत 3, शिवम् सुरेश भाई सिंह 22 वर्ष निवासी बी-475 मानसरोवर सोसायटी आसपास मंदिर के पास लिम्बायत सूरत। 4. जगदीश महेश अग्रवाल 30 वर्ष निवासी मकान नं. ए/2015 विष्णुपार्क सोसायटी पुणागाम सूरत तथा तपास में निकले सभी गंजीपाना से पैसे की हारजीत का जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने सूचना के आधार पर छापा मारकर उपरोक्त चारों आरोपियों को पकड़ा बाकी लोग फरार हो गये। पकड़े गये व्यक्तियों में अंगझड़ती में नकद 9,630 तथा दाव पर लगे नकद 4,400 मिलाकर कुल नकद 14,030 तथा मोबाइल फोन नंग 4 मूल्य 33,000 तथा गंजी पाना नग 48 तथा चटाई नग 1 मिलाकर कुल 47,030 की मत्ता का मुद्दा माल के साथ जुआ खेलते पकड़े गये इनके विरुद्ध पुलिस ने कायदेसर कार्यवाही कर गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच ए.एस.आई. प्रतापभाई वामन राव लिम्बायत पुलिस स्टेशन कर रहे है।

सुरेन्द्रनगर ४४.५, अहमदाबाद में पारा ४४.३ पर पहुंच गया

अहमदाबाद। एक तरफ दक्षिण पश्चिम मानसून ने जहां केरल में अपने कदम रख दिए है और गुजरात के दक्षिणी इलाके में बंदाबादी हो चुकी है वहीं गुजरात का उत्तरी हिस्सा और सौराष्ट्र इलाका लगातार भीषण गर्मी की चपेट में हैं। सुरेन्द्रनगर रविवार को राज्य का सबसे गर्म शहर रहा। यहां पर तापमान ४४.८ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं राज्य के सौराष्ट्र की राजधानी माने जाने वाले राजकोट में तापमान ४३.१ डिग्री रहा वहीं अहमदाबाद में ४४.२ डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। राज्य की राजधानी गांधीनगर में इतना ही ४४.२ डिग्री तापमान दर्ज किया गया। बनासकांठा जिले के डीसा में अधिकतम तापमान ३३.१ डिग्री दर्ज किया गया था। सौराष्ट्र के अमरेली में तापमान ४३.३ डिग्री और कच्छ के जिला मुख्यालय भुज में तापमान ४१.२ डिग्री दर्ज किया गया था। अहमदाबाद शहर में आग तपाती गर्मी ने लोगों को काफी परेशान किया। यहा तापमान ४४.३ डिग्री दर्ज किया गया था। गर्मी के कारण वाहन चालकों के साथ साथ बडे बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ा। धूप के तेवर सुबह से लेकर शाम तक तीखे रहे। मौसम विभाग ने अहमदाबाद शहर में अगले दो दिनो तक बेतहाशा गर्मी की संभावना व्यक्त की है। रविवार को भी तापमान ४४.२ डिग्री दर्ज किया गया था। अहमदाबाद गांधीनगर के साथ साथ उत्तर गुजरात के बनासकांठा और साबरकांठा जिले में अगले दो दिनों तक भीषण गर्मी की चेतावनी दी गई है।

भाजपा जिला प्रमुख की मध्यस्थता बाद पारना

आखिर में किसानों का उपवास आंदोलन वापस ले लिया गया

जुलाई के अंत तक फसल बीमा चुकाये जाने की सरकार की ओर से लिखित आश्वासन मिलने पर पारना किया

अहमदाबाद । फसल बीमा, भावांतर योजना, चेक बांध रिपेरिंग करना, तालाबों को गहरा करने सहित की मांगों को लेकर राजकोट के बेडी मार्केट यार्ड बाहर फसल बीमा को लेकर किसानों के उपवास आंदोलन रविवार को लगातार चौथे दिन किसानों द्वारा अर्धनग्न अवस्था में यानी कि शर्ट निकालकर होम-हवन और यज्ञ किया गया था जिसकी वजह से राज्य सरकार को बुद्धि आये। हालांकि, रविवार को दोपहर तक में भाजपा जिला प्रमुख डीके. सखीया की मध्यस्थता और सरकार की तरफ से सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की लिखित आश्वासन मिलने पर आखिर में चार दिन के उपवास बाद रविवार को किसानों का उपवास आंदोलन वापस लिया गया और सखीया ने उपवास पर उतरे किसानों को नींबू पानी पिलाकर पारणा कराया। डीके. सखीया ने सरकार की ओर से किसानों को कपास की फसल बीमा जुलाई के अंत तक में चुकाया जाएगा यह स्पष्ट रूप से कहा गया है। इसके अलावा चेक बांध रिपेरिंग करना, तालाबों को गहरा करने के कामकाज में तेजी लायी जायेगी यह आश्वासन दिया गया।

किसानों के पारना की वजह से राज्य के किसानों में खुशी की लहर फैल गई । इस दौरान किसानों के अनिश्चितकालीन उपवास के रविवार को चौथे दिन एनसीपी की नेता रेशमा पटेल ने भी किसानों की लड़ाई को समर्थन किया और उन्होंने सरकार तथा बीमा कंपनियों पर आरोप लगाया था।

इसके पहले रविवार को सुबह में किसानों ने शर्ट निकालकर सरकार और बीमा कंपनियों को सदबुद्धि दे इसके लिए हवन-यज्ञ किया गया था । जिसमें किसानों ने धूप में शर्ट निकालकर अग्निकुंड में आहुति दी। आंदोलन समर्थन देने वाली रेश्मा पटेल ने बताया कि, पिछले चार दिन से किसान फसल बीमा के लिए उपवास आंदोलन पर बैठे है। किसानों का पेट भरने के लिए सरकार अब जागे सरकार को इतना ही कहता हूं कि आपका विकास बहुत हो गया है । अब किसानों का विकास करो । इस मामले में हमने कलेक्टर को भी पत्र लिखेंगे। एक विपक्ष पार्टी के नेता के तौर पर मैं यहां समर्थन करने आयी हूं।

१०० से ज्यादा बसें कम चलने पर नागरिक परेशान

एएमटीएस के ड्राइवरों की लगातार तीसरे दिन हड़ताल

कॉन्ट्रैक्ट कंपनी को दो लाख का जुर्माना : नोटिस और चेतावनी के बावजूद भी भी हड़ताल का समाधान नहीं

अहमदाबाद । अहमदाबाद म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट सर्विस (एएमटीएस) की कॉन्ट्रैक्ट कंपनी के ड्राइवर रविवार को लगातार तीसरे दिन भी हड़ताल कायम रहे। वेतन वृद्धि और अन्य लंबित मांगों को लेकर चार्टर्ड स्पिड लिमिटेड कंपनी के २०० से ज्यादा ड्राइवर कर्मचारी हड़ताल पर चले गये हैं। जिसे लेकर रविवार को लगातार तीसरे दिन एएमटीएस बस के ड्राइवरों की हड़ताल कायम रही । जिसकी वजह से शहर में बस सेवा प्रभावित रही।

इस हड़ताल से एएमटीएस की १०० से ज्यादा बसें सड़कों पर कम चलने पर विशेष करके महिला, बच्चे और बुजुर्ग लोग सहित के यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। २०० से ज्यादा ड्राइवरों ने लालदरवाजा और सारंगपुर के यात्रियों को जैसे बंधक बनाये होने से यहां के स्थानीय यात्रियों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

दूसरी तरफ, चार्टर्ड स्पिड लिमिटेड कंपनी के ड्राइवरों की हड़ताल को लेकर एएमसी प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए सख्त रवैया अपनाया है और कॉन्ट्रैक्ट कंपनी को नोटिस भेज कर इसके पास से खुलासा मांगा गया है। इतना ही नहीं एएमसी ने कॉन्ट्रैक्ट कंपनी पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि, चार्टर्ड स्पिड कंपनी का एएमटीएस के साथ कॉन्ट्रैक्ट है। कॉन्ट्रैक्ट चार्टर्ड स्पीड को एएमसी द्वारा नोटिस दिया गया है। जल्दी से मामले का समाधान करके बस सेवा शुरू करने की सूचना दी गई है। आगामी दिनों में कॉन्ट्रैक्टर को जुर्माना भी लगाया जा सकता है। दूसरी तरफ, ड्राइवरों की हड़ताल की वजह से शहर में एएमटीएस की १०० बसें सड़कों पर कम चल रही है। १०० जितनी बसें बंद रहने की वजह से विशेष करके महिला, बच्चे और बुजुर्ग लोग सहित के यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस परिस्थिति में एएमटीएस प्रशासन ने कॉन्ट्रैक्ट कंपनी को तुरंत हड़ताल की समस्या का समाधान लाने के लिए कड़े शब्दों में चेतावनी दे दी है।

साबरमती रिवरफ्रन्ट पर मेले का आयोजन किया गया है जिसमें चकडोल और अन्य आकर्षण काफी रोमांचित कर रहे हैं।

कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से होगा शिक्षा का सुपरविजन: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि गरीब, अमीर और अंतिम पंक्ति के बच्चों को समुचित शिक्षा प्रदान करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है, ऐसे में स्कूली शिक्षा में तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल कर डिजिटल गुजरात के निर्माण में राज्य सरकार ने नई पहल की है। उन्होंने कहा कि राज्य में 32 हजार सरकारी एवं 10 हजार स्ववित्त पोषित स्कूलों सहित ढाई लाख से अधिक शिक्षकों एवं 70 लाख से अधिक बच्चों की जवाबदारी सरकार और समाज पर है, तब शिक्षा का सुपरविजन करना जरूरी बन जाता है। इसलिए ही कमांड एंड कंट्रोल सेंटर जैसी नई व्यवस्थाएं स्थापित की गई हैं। रविवार को गांधीनगर में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, शाला प्रवेशोत्सव 2.0, गुणोत्सव 2.0, प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और स्कूल में डिजिटल हाजिरी जैसी योजनाओं का डिजिटली उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में साफ नीयत और स्पष्ट नीति से सार्वभौमिक शिक्षा का दायरा बढ़ाकर भावी पीढ़ी को दुनिया के साथ कदमताल करने योग्य सक्षम बनाने की गुजरात ने पहल की है। इस मौके पर उन्होंने ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) और क्लस्टर संसाधन केंद्र (सीआरसी) समन्वयकों को टैबल्ट का वितरण करने के साथ ही शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत श्रेष्ठ कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। राज्य के प्राथमिक शिक्षकों सहित शिक्षा जगत का आह्वान करते हुए रूपाणी ने कहा कि स्ववित्त पोषित संस्थाओं के साथ स्पर्धा नहीं बल्कि उनसे भी उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्थाएं सरकारी स्कूलों में स्थापित कर अपनी रेखा लंबी करें। भरोसे के ऐसे वातावरण का निर्माण करें कि सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा प्रेरित हों।

उन्होंने कहा कि शिक्षति समाज के जरिए भावी पीढ़ी को समृद्ध बनाकर समृद्ध गुजरात और राष्ट्र के निर्माण में हमें संकल्पबद्ध होना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की शिक्षा को और भी समृद्ध बनाने के लिए डिजिटल माध्यम द्वारा शुरू किए गए इन नवीन आयामों के जरिए गुजरात देश का रोल मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा के जरिए ईश्वर ने सच्ची सेवा का अवसर आप सभी को दिया है, तब कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की यह नई व्यवस्था आने वाले दिनों में गुजरात के लिए निश्चित ही वरदान साबित होगी। रूपाणी ने कहा कि ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली शिक्षक, शिक्षाकर्मियों और छात्रों की नियमितता सुनिश्चित कर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाएगी।

फसल बीमा को लेकर लिखित आश्वासन के बाद किसानों का अनशन खत्म

राजकोट। फसल बीमा और भावांतर योजना को लेकर पिछले चार दिनों से किशान अनशन पर बैठे थे। लेकिन सरकार की ओर से जुलाई तक फसल बीमा के भुगतान का लिखित आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने अपना अनशन खत्म कर दिया। राजकोट मार्केट यार्ड के बाहर चार दिनों से किसान फसल बीमा को लेकर अनशन कर रहे थे। अनशन के चौथे दिन एनसीपी की नेता रेशमा पटेल भी किसानों के आंदोलन में शामिल हुई और सरकार पर कड़े प्रहार किए। उन्होंने कहा कि सरकार का काफी विकास हो चुका है और उसे किसानों के विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं यहां विपक्ष के नेता के तौरपर समर्थन देने आई हूं और इस बारे में कलेक्टर को पत्र लिखेंगी। यदि किसानों को न्याय नहीं मिला तो गांव गांव जाकर उग्र विरोध करेंगे। इससे पहले कार्यक्रम स्थल पर शर्ट उतारकर कड़ी धूप में किसानों ने हवन किया और सरकार व बीमा कंपनी को सदबुद्धि देने की ईश्वर से प्रार्थना की। बाद में मार्केट यार्ड के चेयरमेन और राजकोट जिला भाजपा प्रमुख डीके सखिया समेत यार्ड के पदाधिकारी कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए। जहां उन्होंने आश्वासन दिया कि भावांतर योजना जल्द ही लागू की जाएगी और कपास के फसल बीमा की राशि जुलाई तक किसानों को मिल जाएगी। किसानों की मांग थी कि उन्हें इसका लिखित में आश्वासन दिया जाए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)